Department of sociology

M A I sociology

Semester II

Paper 1

Classical theoretical foundation.

K.p.Tagde

Scanned with CamScanner

Herbert Blumer

कार्ल मार्क्स (1818 - 1883)

प्रमुख कृतियाँ

Holy family - 1845

1. The German Ideology, with Engels (1845)
2. The Poverty of Philosophy (1847)
3. Manifesto of Communist Party, with Engels (1848)
   कम्युनिस्ट मॅनिफेस्टो
4. The Class Struggle in France (1850)
5. The Eighteenth Brumaire of Louis Bonaparte (1852)
6. Das Capital : A Critique of Political Economy, Three vol. (1867, 85, 94)
7. Economic and Philosophical Manuscripts of 1844, (1959)
   आर्थिक-दार्शनिक - पांडुलिपि

- उन्नीसवीं सदी के एक स्वतंत्र विचारक और राजनीतिक क्रांतिकारी आंदोलनकारी, कार्ल मार्क्स जर्मनी के एक मूर्धन्य सामाजिक सिद्धान्तकार, वैज्ञानिक साम्यवाद का पितामह. ~~अधिकांश समाजवादी विचारधारा, जनक~~
- जन्म - बॉन और बर्लिन विश्वविद्यालयों में शिक्षा-दीक्षा.
- हीगल के द्वंद्वात्मक चिन्तन प्रणाली का मार्क्स पर गहरा प्रभाव.
- द्वंद्वात्मक आदर्शवाद - हीगल -
- द्वंद्वात्मक भौतिकवाद - मार्क्स, ऐतिहासिक भौतिकवाद
  (सिद्धांत एवं अवधारणा) वर्ग और वर्ग संघर्ष - मार्क्स!

(विलगन) अलगाव, वर्ग चेतना और अतिरिक्त मूल्य,
उत्पादन शक्तियाँ, उत्पादन संबंध, अधिसंरचना, अधोसंरचना.

- हीगेल ने समस्त विश्व को विचार की उपज माना है, जबकि कार्ल मार्क्स ने भौतिक यथार्थ की उपज माना है,
- कार्ल मार्क्स के अनुसार " हीगल सिर के बल पर खड़ा हुआ था, मैंने उसे पैरों के बल पर खड़ा किया.
- मार्क्स के अनुसार आर्थिक असमानता के कारण शासक और शासित, बुर्जुआ और सर्वहारा, मालिक - मजदूर के बीच वर्ग-संघर्ष उत्पन्न होता है।
- किसी भी समाज की प्रकृति उस समाज की अर्थव्यवस्था के उत्पादन प्रणाली से निर्धारित होती है।
- सामाजिक वर्गों की रचना अर्थव्यवस्था में उत्पादन के सम्बन्धों के आधार पर होती है.
- मार्क्स के अनुसार उत्पादन के वर्ग आधारित संबंध वर्ग संघर्ष को जन्म देते हैं।
- मार्क्स के अनुसार ' वर्ग संघर्ष ही इतिहास का चालक है'
- मार्क्स मुख्य रूप से पूंजीवादी समाज के सिद्धांतकार रहे हैं.
- मार्क्स ने 'दास कैपिटल' पुस्तक इस ग्रंथ में पूंजीवादी समाज के आर्थिक परिचालन का विश्लेषण किया है.

- आपको अन्तर्राष्ट्रीय सर्वहारा का महान शिक्षक नेता कहा जाता है.
- मार्क्स ने हेगेल के द्वंद्वात्मक आदर्शवाद को अस्विकार करते हुये द्वंद्वात्मक भौतिकवाद इस सिध्दांत का निर्माण किया.
- ~~Marx की~~
  मार्क्स ने द्वंद्वात्मक भौतिकवाद यह सिध्दांत 'Das Capital' इस ग्रंथ में विश्लेषित किया है.
- हेगेल के द्वंद्ववाद के अनुसार प्रत्येक विकास में तीन अवस्था होती है वाद – प्रतिवाद – संवाद.
- मार्क्स ने द्वंद्वात्मक भौतिकवाद में यह प्रमाणित किया कि पूँजीवादी समाज का नाश अनिवार्य है.
- ऐतिहासिक भौतिकवाद का विचार मार्क्स ने अपनी पुस्तक 'जर्मन आडियोलॉजी' मे रेखांकित किया है।
- ऐतिहासिक भौतिकवाद का मुख्य तत्व आर्थिक निर्णायकवाद है.
- मार्क्स के अनुसार सामाजिक विकास का इतिहास यह उन लोगों का इतिहास है जो भौतिक मूल्यों का उत्पादन करते है.
- मार्क्स ने मानव इतिहास को पाँच युगों में विभाजित किया है. इनमें से तीन बीत चुके हैं, चौथा चल रहा है और पाँचवा आने को है।
  - आदिम साम्यवादी युग (वर्ग प्रथा नहीं थी)
  - दासत्व युग (~~किसान सामन्त~~) (दास मालिक)
  - सामन्तवादी युग (किसान सामन्त)
  - पूँजीवादी युग (मालिक पूँजीपति)
  - समाजवादी युग (~~वर्ग~~ वर्ग व्यवस्था का अन्त)

Scanned with CamScanner

रोनाल्ड एरॉन्सन - आफ्टर मार्क्सिज्म (1995)
Name of Book:

(60)

① मार्क्स और एंजिल्स के सभी विचारों का मुख्य केन्द्र औद्योगिक व्यवस्था तथा आर्थिक निर्धारणवाद रहा है. कामगार वर्ग के जीवन में बदलाव के हेतु राजकिय/राजनीतिक क्रांति होना आवश्यक मानते है. जब तक उत्पादन के साधन एवं शासन ~~का~~ श्रमिक वर्ग के होना जरुरी है।

② मार्क्स ने 1844 तक तीन महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी
(1) पवित्रपरिवार (2) दर्शनशास्त्र की दरिद्रता.
(3) आर्थिक और दार्शनिक पाण्डुलिपियाँ.

③ मार्क्स ने अलगाव (विलगीकरण) की संकल्पना/अवधारणा 'आर्थिक और दार्शनिक पाण्डुलिपियाँ' इस ग्रंथ में लिखी है।

④ जिन व्यक्तियोंका उत्पादन के ~~साधनों~~ साधनोंपर स्वामित्व होता है उन्हे मार्क्सने बुर्जुआ या पूंजीपती वर्ग कहा है तथा ऐसे व्यक्ति जो केवल अपने श्रम पर निर्भर करते है, उन्हे मार्क्स ने सर्वहारा या श्रमिक/ 'कामगार' का नाम दिया है।

(कारखाने)
⑤ जब तक उत्पादन प्रणाली में बदलाव नही होगा तब तक सामाजिक परिवर्तन नही होगा और श्रमिक लोगों के जीवन में बदलाव नही होगा.

⑥ मार्क्स ने सामाजिक संरचना को दो भागों में बाटा है.

अ) अधिसंरचना ब) अधोसंरचना.

⑦ मार्क्सने समाज के निचले भागों को अधो संरचना कहा है. और ~~निचला~~ ऊपरी भागो को अधिसंरचना कहा है.

⑧ मार्क्स के अनुसार मानवी समाज के अस्तित्व के लिए आवश्यक भौतिक मुल्यो (भोजन, कपडा, मकान, उत्पादन के उपकरण) की उत्पादन प्रणाली ही सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तरदायी है।

Scanned with CamScanner

DATE _/_/_
PAGE NO ____
mycompanion

① मार्क्स के अनुसार मनुष्य साधारण तथा एक सामाजिक प्राणी है परन्तु अधिक स्पष्ट रूप में वह एक वर्ग प्राणी है।

② मार्क्स ने अपने अलगाव (विलगन) के सिद्धांत में तीन प्रकार के विलगाव की विवेचना की है -
1) कार्य के उत्पादन से विलगाव।
2) समाज से विमुखन
3) श्रम तथा उत्पादन की प्रक्रिया से विमुखन (Alienation)

③ समाजवादी समाज का निर्माता - कार्ल मार्क्स।

④ मार्क्स और एंजिल्स कम्यूनिस्ट घोषणा पत्र में लिखते हैं " अभी तक के सभी समाजों का इतिहास यह वर्ग-संघर्ष का इतिहास है "।

⑤ मार्क्स ने Philosophy of Poverty तथा Capital में उन परिस्थितियों का वर्णन किया है जिनके कारण वर्ग चेतना का विकास सम्भव होता है।

⑥ मार्क्स ने दो वर्गों का विश्लेषण किया है अपितु उनके पास तीन वर्गों की व्यवस्था का भी एक प्रतिरूप (Model) है। जिसका उल्लेख उन्होंने दास कैपिटल के तृतीय खंड में किया है - उन्होंने आधुनिक समाज के तीन महान वर्गों को क्रमशः पूंजीपति, भूमि के स्वामी (जमींदार) तथा मजदूर